सांध्य दैनिक

4PM

मेरे भूत, वर्तमान और भविष्य के बीच एक आम कारक है- रिश्ते और विश्वास। यही हमारे विकास की नींव हैं।
-धीरूभाई अंबानी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 106 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 22 मई, 2023

नार्को टेस्ट करवाने को तैयार... 8 | सबको भागेदारी देकर कांग्रेस ने... 3 | आचार संहिता का उल्लंघन कर... 7

कोर्ट की चौखट पर पहुंचा दो हजार का नोट

23 मई से बदले जाएंगे नोट

सरकार की मंशा पर विपक्ष ने उठाए सवाल

» आरबीआई ने कहा घबराने की जरूरत नहीं

» दिल्ली हाई कोर्ट में डाली गई याचिका

» नहीं मिलनी चाहिए बिना आईडी कार्ड के नोट बदलने की अनुमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2000 हजार नोट को जमा करने का मामला राजनीतिक बयानबाजी की जद में आने के बाद अब कोर्ट की दहलीज पर भी पहुंच गया है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने रिजर्व बैंक के फैसले पर सवाल उठाया है। सियासी दलों ने कहा ये भी एक तरह की नोटबंदी है। आखिर सरकार क्यों नही बताती कि जब काला धन रुक गया है तो फिर 2000 के नोट क्यों वापस लिए जा रहे हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट में सोमवार को एक जनहित याचिका दायर की गई है। इस याचिका में मांग की गई है कि बिना पैसे जमा करने की पर्ची और आई कार्ड (पहचान प्रमाण) के 2000 रुपये के नोट को बदलने की अनुमति के

नहीं मिलनी चाहिए। साथ ही याचिकाकर्ता ने मांग की है कि नोट को व्यक्ति के संबंधित बैंक खाते में ही जमा किया जाना चाहिए। सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट में अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने अपनी याचिका में तर्क दिया कि इस संबंध में आरबीआई और एसबीआई द्वारा अधिसूचनाएं मनमाना, तर्कहीन और भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करती हैं।

वहीं अगर बैंक को किसी भी तरह से 2000 रुपये का फेक नोट मिलता है तो बैंक उसको जब्त कर लेगा। ग्राहक को उस नोट की कोई भी वैल्यू नहीं दी जाएगी। अगर 4 से ज्यादा फर्जी नोट मिलते हैं, तब बैंक अधिकारी वो नोट पुलिस को दे देंगें। पुलिस उस नोट की जांच करेगी।

नोट बदलने में लोग न हों परेशान : शक्तिकांत

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने लोगों से अपील की है कि वे नोटों की अदला-बदली करने के लिए कतई परेशान ना हों। किसी भी अफरातफरी से बचें। इस बीच वे 2000 रुपये के नोट के साथ 30 सितंबर तक खरीदारी भी कर सकते हैं। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि 2000 के नोटों की छपाई बंद हो चुकी है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि 4 महीने का समय दिया गया है, कोई जल्दबाजी की जरूरत नहीं है इसलिए आप आराम से बैंक जाए और 2000 रुपए के नोट बदलें। चिंता करने या परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है।

नोटों की जानकारी संभाल कर रखें बैंक : आरबीआई

नई दिल्ली। भारत रिजर्व बैंक ने सभी बैंकों को निर्देश दिया है कि रोजाना जमा हो रहे दो हजार के के नोट का डेटा मेंटेन करें। आरबीआई की ओर से 22 मई को इससे संबंधित निर्देश जारी किए गए हैं। आरबीआई की ओर से कहा गया है कि नियमों के तहत जितने चाहे उतने नोट बदले जा सकते हैं। साथ ही, केंद्रीय बैंक ने यह भी कहा है कि बाजार में दूसरे मूल्य वर्ग के नोटों की कमी नहीं है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि आम जनता को काउंटर पर 2000 रुपये के नोट बदलने की सुविधा सामान्य तरीके से प्रदान की जाएगी, जैसा कि पहले प्रदान किया जा रहा था। नोट बदलने के लिए चार महीने का वक्त दिया जाएगा। दास ने कहा कि दो हजार रुपये के नोटों को चलन से बाहर करने का फैसला क्लीन नोट पॉलिसी के तहत लिया गया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि दो हजार रुपये के नोट बदलने की पूरी तैयारी की गई है। 23 मई से किसी भी बैंक में एक समय में 2000 रुपये के नोटों को अन्य मूल्यवर्ग के बैंकनोटों में बदलने की सीमा 20,000 रुपये तक होगी। दास ने कहा, हम नोट बदलने में आने वाली मुश्किलों को लगातार मॉनिटर कर रहे हैं।

कर्नाटक विधानसभा का सत्र शुरू

» आरवी देशपांडे बने प्रोटेम स्पीकर, विधायकों का शपथ समारोह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद सभी नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण के लिए 16वीं कर्नाटक विधानसभा का पहला सत्र सोमवार को शुरू हुआ। विधानसभा के अधिकारियों के अनुसार, तीन दिवसीय सत्र के दौरान सभी 224 नवनिर्वाचित विधायक शपथ लेंगे, इस दौरान नए अध्यक्ष का चुनाव भी होगा।

कर्नाटक विधानसभा में विधायकों का शपथ ग्रहण चल रहा है, जिसका संचालन कांग्रेस के वरिष्ठतम विधायक आरवी देशपांडे प्रोटेम स्पीकर के रूप में कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मंत्री जी परमेश्वर, के एच मुनियप्पा, एमबी पाटिल, केजे जॉर्ज, सतीश जारकीहोली, प्रियांक खड़गे आदि ने विधायक के रूप में शपथ ले ली है।

शिवकुमार ने भाजपा नेता एसएम कृष्णा के छूए पैर

इससे पहले कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने बंगलुरु में पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता एसएम कृष्णा का पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। शिवकुमार ने विधानसभा में प्रदेश से पहले विधानसभा की सीढ़ियों पर मत्था भी टेका। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बसवराज बोम्मई से भी मुलाकात की।

बीबीसी को दिल्ली हाईकोर्ट का समन

» 'जस्टिस ऑन ट्रायल' की मानहानि याचिका पर सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक गैरसरकारी संस्थान जस्टिस ऑन ट्रायल की मानहानि याचिका पर बीबीसी को समन जारी किया है। याचिका में दावा किया गया है कि बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री ने भारत और इसकी न्यायपालिका के साथ-साथ प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिष्ठा पर धब्बा लगाया है। न्यायमूर्ति सचिन दता की पीठ ने बीबीसी को नोटिस जारी करते हुए सुनवाई सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी।

गुजरात 2002 दंगे को लेकर बीबीसी ने डॉक्यूमेंट्री बनाई थी, जिसके प्रसारण पर केंद्र सरकार ने रोक लगा दी थी। एनजीओ की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने कहा कि बीबीसी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा उस डॉक्यूमेंट्री के संबंध में है, जिसने भारत और न्यायपालिका सहित पूरी प्रणाली को बदनाम किया है। वादी की ओर से यह तर्क दिया गया था कि डॉक्यूमेंट्री मानहानिकारक आरोप लगाता है और देश की प्रतिष्ठा पर कलंक लगाता है।

भाजपा नेता ने दायर की है याचिका

यह याचिका झारखंड भाजपा की राज्य कार्यकारी समिति के सदस्य और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) व विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के सक्रिय स्वयंसेवक बिनय कुमार सिंह ने अपने अधिवक्ता मुकेश शर्मा के माध्यम से रोहिणी कोर्ट में दायर की गई।

अब 15 सितंबर को होगी सुनवाई

उच्च न्यायालय ने कहा, प्रतिवादियों को सभी स्वीकार्य तरीकों से नोटिस जारी करें और इसे 15 सितंबर को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। इससे पहले बीबीसी डाक्यूमेंट्री के संबंध में दायर मानहानि याचिका की सुनवाई करते हुए रोहिणी कोर्ट ने बुधवार को बीबीसी को समन जारी किया है। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश रुचिका सिंगला ने विकिमीडिया फाउंडेशन (जो विकिपीडिया को फंड करती है) और यूएस स्थित डिजिटल लाइब्रेरी को भी समन जारी किया। इस मामले में कोर्ट ने बीबीसी को 30 दिन के अंदर लिखित में बयान दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

जनता से बदला ले रही भाजपा

नीतीश के बाद केजरीवाल के समर्थन में आये अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले-दिल्ली का अध्यादेश न्यायपालिका का अपमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी दिल्ली को लेकर केंद्र सरकार की तरफ से लाए गए अध्यादेश पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट कर केन्द्र सरकार पर निशाना साधा है। अखिलेश यादव ने ट्वीट कर अध्यादेश लाने के लिए बीजेपी को घेरा है। पूर्व सीएम ने कहा कि दिल्ली का अध्यादेश न्यायपालिका का अपमान है। ये बीजेपी की नकारात्मक राजनीति का परिणाम है और लोकतांत्रिक-अन्याय का भी।

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि बीजेपी जानती है कि लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सभी सीटों पर उसकी करारी हार होने वाली है तभी जनता से पहले से ही बदला ले रही है। अध्यादेश के नाम पर ये जनादेश की हत्या है। आपको बता दें कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण के रूप में एक स्थाई प्राधिकरण स्थापित करने के लिए एक अध्यादेश लाई है। जिसके अध्यक्ष दिल्ली के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, प्रधान सचिव (गृह) के साथ स्थानांतरण पोस्टिंग, सतर्कता और अन्य प्रासंगिक मामलों से संबंधित मामलों में एलजी को सिफारिशें करनी होंगी। मतभेद की स्थिति में उपराज्यपाल का फैसला ही अंतिम होगा।

अघोषित बिजली कटौती सरकार की खासियत

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हर वर्ष गर्मी बढ़ने के साथ अघोषित बिजली कटौती को भाजपा सरकार की खासियत बताया है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश में भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं, लेकिन भाजपा सरकार की संवेदनहीनता की हद यह है कि वह बिजली संकट के समाधान की दिशा में कुछ नहीं कर रही है। तंज कसते हुए कहा कि जब राजधानी लखनऊ में ही बिजली अक्सर गायब रहने लगी है तो अन्य जिलों के बारे में क्या कहना। सपा प्रमुख ने कहा कि अधिकारी ओवरलोड होने की बात करते हैं लेकिन उसके लिए इंतजाम नहीं करते हैं। इन दिनों ट्रांसफार्मर फुंकने की खबरें लगातार आ रही हैं। इनके रखरखाव में लापरवाही और उपकरणों की गुणवत्ता में खराबी देखने वाला कोई नहीं है। अखिलेश ने कहा कि बिजली विभाग जनता को लूटने का काम कर रहा है। गलत रीडिंग भेजकर जनता से खपत से ज्यादा बिल की वसूली की जाती है। जब लोग शिकायत करते हैं तो जांच के नाम पर शिकायतकर्ता को ही परेशान करने के हथकंडे अपनाए जाते हैं। सवाल उठाया कि गलती से बिल ज्यादा ही क्यों आता है, कम क्यों नहीं आता।

राष्ट्रपति को करना चाहिए नए संसद भवन का उद्घाटन : राहुल

» पीएम मोदी के हाथों 28 मई को होने वाला है नए संसद भवन का उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी द्वारा नए संसद भवन के उद्घाटन की खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। राहुल के अनुसार संसद भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री के हाथों नहीं बल्कि राष्ट्रपति के हाथ से होना चाहिए। नए संसद भवन का उद्घाटन पीएम मोदी के हाथों 28 मई को होने वाला है। राहुल गांधी ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए टवीटर में कहा- राष्ट्रपति को नए संसद भवन का उद्घाटन करना चाहिए, न कि प्रधानमंत्री को।

नए संसद भवन का उद्घाटन उसी दिन होने वाला है जिस दिन हिदुत्व विचारक वी डी सावरकर का जन्मदिन है। ऐसे में विपक्षी पार्टी केंद्र सरकार पर निशाना साध रही है। कांग्रेस का मानना है कि यह राष्ट्र निर्माताओं का अपमान है। नए संसद भवन के लोकसभा कक्ष में 888 सदस्यों के बैठने की व्यवस्था होगी। वहीं राज्यसभा में 384 सदस्य बैठ सकेंगे। संयुक्त सत्र के दौरान सदन में 1,272 सदस्यों के बैठने की व्यवस्था की गई है। नए संसद भवन की आधारशिला 10 दिसंबर 2020 में रखी गई थी। नवनिर्मित भवन का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री मोदी से भेंट कर उनसे इसका उद्घाटन करने का आग्रह किया था।

जाति-धर्म के नाम पर विभाजित करने वालों से लड़ना है : पवार

» कर्नाटक में आम आदमियों की सरकार ने संभाली कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार एक बार फिर आक्रामक दिखाई दिए। रविवार को उन्होंने भाजपा पर जमकर हमला बोला और कहीं न कहीं कांग्रेस के समर्थन में दिखे।

राकांपा सुप्रीमो को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां उन्होंने कहा कि जो देश में सामाजिक और सांप्रदायिक रूप से विभाजित कर रहा है, हमें उससे लड़ना है। पवार ने आगे कहा कि देश में राज्य कर रही कुछ शक्तियां आज समाज में जाति और धर्म के आधार के नाम पर एक दूसरे को भड़का रही हैं। समाज को वह पीछे धकेल रहे हैं। सत्ता का इस्तेमाल वह लोगों के कल्याण के लिए नहीं कर रहे बल्कि समाज के लोगों के बीच विभाजन पैदा कर रहे हैं। आज हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती इन्हीं लोगों और इन्हीं शक्तियों के खिलाफ लड़ने के लिए है। अगर इन शक्तियों से लड़ा नहीं गया तो आम आदमी तबाह हो जाएगा। पवार ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजों के बारे में कहा कि कर्नाटक के नतीजे बताते हैं कि स्थिति धीरे-धीरे बदल रही है। आम आदमियों की सरकार ने कर्नाटक की कमान अब अपने हाथों में संभाली है।

सम्मान में फूल या शॉल नहीं, किताबें दें

» दो साल तक दिए जाएंगे बेरोजगार स्नातकों को तीन हजार और डिप्लोमा धारकों को 1500 रुपयेः सिद्धारमैया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने रविवार को कहा कि वह विभिन्न आयोजनों में सम्मान के तौर पर लोगों द्वारा दिए गए फूलों या शॉल की जगह किताबें लेना पसंद करेंगे। सिद्धारमैया ने ट्विटर पर कहा, मैंने उन लोगों से फूल या शॉल स्वीकार नहीं करने का फैसला किया है जो अक्सर इसे सम्मान के निशान के रूप में देते हैं।

उन्होंने कहा कि लोग सम्मान के तौर पर उन्हें किताबें दे सकते हैं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने वादे के मुताबिक चुनाव से पहले पार्टी के घोषणा पत्र में घोषित पांच गारंटी को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद वह अपनी पहली कैबिनेट बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गृह ज्योति योजना को लागू करने के लिए हर घर को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने के लिए 1200 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी। 2000 रुपये प्रति माह परिवार की मुखिया महिला को दिए जाएंगे। वहीं, दो साल तक बेरोजगार स्नातकों को तीन हजार और डिप्लोमा धारकों को 1500 रुपये दिए जाएंगे, जो वर्तमान शैक्षिक वर्ष के दौरान उत्तीर्ण हुए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कार्यकाल में हमने चुनावी घोषणापत्र में किए गए 165 वादों में से 158 को पूरा किया। विपक्ष यह कहकर लोगों को गुमराह कर रहा है कि हमने जिन गारंटी योजनाओं की घोषणा की है, वे हमारे राज्य को भारी कर्ज में डूबा देंगी। प्रधानमंत्री ने खुद अपने मन की बात में कहा है कि ऐसी योजनाओं को शुरू करने से अर्थव्यवस्था चरमरा जाएगी।

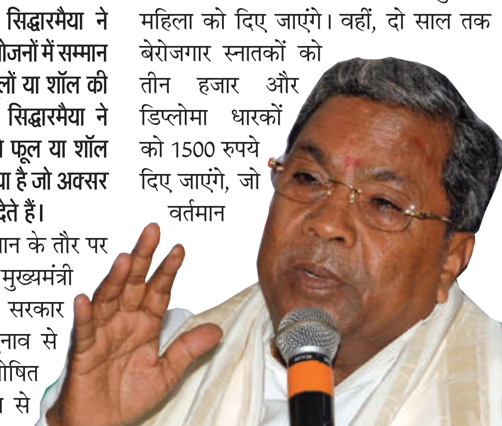

महिलाओं को यात्रा के लिए फ्री में दिया जाएगा बस पास

उन्होंने बताया कि प्रदेश की रहने वाली महिलाओं को सरकारी बसों में यात्रा करने के लिए फ्री में बस पास दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने 22 से 24 मई तक विधानसभा सत्र बुलाने का भी फैसला किया है और बजट जुलाई में पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, पांच गारंटियों को पूरा करने के लिए सालाना 50,000 करोड़ रुपये की जरूरत होगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इंदिरा कैंटीन के बारे में भी जानकारी मांगी जा रही है और इसे जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा।

मायावती ने की चार राज्यों में होने वाले चुनावों की तैयारियों की समीक्षा

सरकारें गरीबों की तरक्की को लेकर ईमानदार नहीं

» हिमाचल में सरकार बदलना साबित करता है कि जनता अपनी समस्याओं के प्रति है जागरूक : बसपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। निकाय चुनाव में बहुजन समाज पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पार्टी अध्यक्ष मायावती अगले वर्ष होने वाले लोक सभा चुनाव के दृष्टिगत पार्टी के जनाधार को बढ़ाने की तैयारियों में जुट गई है। इस संदर्भ में उन्होंने रविवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर व झारखंड के पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर इन राज्यों में बसपा की तैयारियों और संगठन की गतिविधियों की समीक्षा की।

मायावती ने कहा कि इन राज्यों में गरीबों, मजदूरों, उपेक्षितों और शोषितों के हालात बदतर होते जा रहे हैं। गरीबों, मेहनतकशों की तरक्की को लेकर सरकारों की नीयत में ईमानदारी नहीं है। यह बहुप्रचारित विकास के सरकारी दावे की पोल खोलता है। सरकारी नौकरियों में आरक्षण को निष्क्रिय व निष्प्रभावी बना दिए जाने से अनुसूचित जाति/जनजाति और पिछड़े वर्ग के लोग चिंतित और उद्वेलित हैं। बैकलाग के पद नहीं भरे जाने से भी इन वर्गों-समुदायों का सरकारों के प्रति अविश्वास बढ़ा है। इन परिस्थितियों में बसपा को अपना मिशनरी प्रयास और तेज करना होगा। पहले संयुक्त और फिर सभी राज्यों की अलग-अलग बैठकों में मायावती ने कहा कि केंद्र और दिल्ली की सरकारों के बीच अधिकारों को लेकर अंतहीन टकराव जारी है। इससे वहां के गरीबों, छोटे व्यापारियों और मेहनतकश लोगों के हित बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। कांग्रेस, भाजपा और आप पार्टी की सरकार से दिल्ली की जनता को निराशा है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में सरकार का बदलना यह साबित करता है कि वहां जनता अपनी समस्याओं के प्रति जागरूक है। इसलिए बसपा को वहां अपनी कमियों को दूर करके आगे बढ़ने का प्रयास लगातार जारी रखना चाहिए। यह कहते हुए कि वहां विधान सभा चुनाव कभी भी कराये जा सकते हैं। हिमाचल प्रदेश में भी पार्टी की कमियों को दूर करने पर उन्होंने जोर दिया। झारखंड में उन्होंने युवाओं को पार्टी से जोड़कर आगे बढ़ने की रणनीति पर अमल करने की नसीहत दी।

जम्मू-कश्मीर में होने वाले चुनाव के लिए रहें तैयार

बसपा अध्यक्ष ने जम्मू-कश्मीर में पार्टी कार्यकर्ताओं को विधान सभा चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार रखने का निर्देश दिया। मायावती ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में विकास शांति, स्थिरता पर चर्चा की बजाय भ्रष्टाचार और सरकारी पद के दुरुपयोग के मामले ही मीडिया में छाये रहते हैं। वहां भले ही राजनीतिक गतिविधियां ठप पड़ी हुई हैं लेकिन बसपा कार्यकर्ताओं को पार्टी की राजनीतिक गतिविधियों पर समुचित ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि वहां विधान चुनाव टलने की बजाय कभी भी हो सकते हैं।

सबको भागेदारी देकर कांग्रेस ने दिखाया दम

एक अल्पसंख्यक, दो दलित व एक ईसाई को भी किया शामिल

» हर वर्ग के सदस्यों को मिली जिम्मेदारी
» सीएम ओबीसी व डिप्टी सीएम वोक्कालीगा समुदाय से
» जल्द होगा मंत्रिमंडल का विस्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। जिस तरह से कांग्रेस ने सोशल इंजिनियरिंग के जरिए कर्नाटक का चुनावी मैदान मारा है। उसी तरह की व्यवस्था मंत्रिमंडल में भी देखने को मिली है। सीएम जहां ओबीसी है तो शिवकुमार वोक्कालिगा से आते हैं। उधर सिद्धारमैया ने शनिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली उनके साथ डीके शिवकुमार ने भी मंत्री पद की शपथ ली जो राज्य के डिप्टी सीएम बनाए गए हैं। इन दोनों के साथ ही 8 मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण किया। कर्नाटक में कांग्रेस की शानदार जीत के पीछे इस बार सोशल इंजीनियरिंग का वह फॉर्मूला था जिसको लेकर पार्टी आगे बढ़ रही थी।

उसी सोशल इंजीनियरिंग के फॉर्मूले की छाप आज मंत्रिमंडल में भी देखने को मिली। जिन 8 मंत्रियों ने शपथ ली है उनमें कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष जी परमेश्वर, लिंगायत नेता एम बी पाटिल और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियंक खरगे भी शामिल हैं। परमेश्वर और प्रियंक दलित समुदाय से आते हैं। जिन मंत्रियों ने शपथ ली उनमें एच मुनियप्पा, के जे जॉर्ज, सतीश जारकीहोली, रामालिंगा रेड्डी और बी जेड जमीर अहमद खान भी शामिल हैं। मुनियप्पा भी दलित समुदाय से आते हैं। वहीं, खान और जॉर्ज का संबंध अल्पसंख्यक समुदाय से है। जारकी होली अनुसूचित जनजाति समुदाय से आते हैं, जबकि रामालिंगा रेड्डी का संबंध रेड्डी जाति से है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया कुरुबा समुदाय से ताल्लुक रखते हैं और डिप्टी सीएम शिवकुमार वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं।

सिद्धरमैया के सामने पहली चुनौती थी सही संतुलन के साथ मंत्रिमंडल के गठन की, जिसमें सभी समुदायों, धर्म, वर्गों और पुरानी और नई पीढ़ियों के विधायकों का प्रतिनिधित्व हो। सिद्धारमैया ने पहली चुनौती सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। कर्नाटक मंत्रिमंडल में मंत्रियों की स्वीकृत संख्या 34 है आगे जल्द ही मंत्रिमंडल का विस्तार होने की संभावना है। कर्नाटक में इस बार कांग्रेस की सोशल इंजीनियरिंग का फॉर्मूला पूरी तरह कामयाब रहा।

कांग्रेस का इस बार कर्नाटक में खास फोकस दलित, अल्पसंख्यक और ओबीसी पर था। कांग्रेस इस चुनाव में इसको साधने में पूरी तरह सफल भी हुई। इसकी छाप शनिवार को शपथ ग्रहण समारोह में भी दिखी। मंत्रियों को देखें तो सिद्धारमैया ने पूरी तरह से इसको साधने की कोशिश की है। कर्नाटक राज्य कांग्रेस और खासकर डीके शिवकुमार की इस बार पूरी कोशिश थी कि चुनाव लोकल मुद्दे पर ही हो। कर्नाटक में जीत का फॉर्मूला जो इस बार आजमाया गया पार्टी उसे 2024 के चुनाव में भी आजमाने की तैयारी है। दलित, अल्पसंख्यक और ओबीसी पर पार्टी का जोर था। टिकट बंटवारे में भी इस बार इसका खास ध्यान रखा गया था।

कई वरिष्ठ नेताओं ने बढ़ाया हौसला

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कर्नाटक के नामित उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार बेंगलुरु के श्री कांतीरावा स्टेडियम में एक हल्के-फुल्के अंदाज में नजर आए। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती बेंगलुरु में नव-निर्वाचित कर्नाटक सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुईं। इस दौरान महबूबा मुफ्ती ने हाथ उठाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। कमल हसन पहुंचे। अभिनेता और मक्कल निधि मय्यम के प्रमुख कमल हासन बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में नवनिर्वाचित कर्नाटक सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। कर्नाटक शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पहुंचे। इस दौरान शिवकुमार और स्टालिन दोनों एक दूसरे के गले मिले। बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन और अन्य डीएमके नेताओं का स्वागत किया गया।

डिप्टी सीएम ने विधानसभा की सीढ़ियों को किया प्रणाम

कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने शपथ ग्रहण समारोह में शपथ ली। उसके बाद उनका काफिला कर्नाटक विधानसभा के लिए रवाना हुआ। काफिला कर्नाटक विधानसभा भवन पहुंचा। इस दौरान सिद्धारमैया सबसे आगे थे। उनके पीछे डीके शिवकुमार और बाकी कैबिनेट मंत्री थे। इस दौरान सिद्धारमैया तेजी से अंदर चले गए जबकि डीके शिवकुमार वहीं रुक गए। सिद्धा के अंदर जाने के बाद डीके शिवकुमार सीढ़ियों पर लेट गए और नमस्तक होकर प्रमाण किया। उन्होंने विधानसभा की सीढ़ियों पर माथा टेका और प्रमाण करते हुए अंदर गए।

केजरीवाल, मायावती, केसीआर को न्यौता नहीं

कर्नाटक को शनिवार को अपना मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री मिल गया। हालांकि, शपथ ग्रहण समारोह में कई प्रमुख विपक्षी नेता शामिल नहीं हो सकें, क्योंकि उन्हें निमंत्रण नहीं मिला है। इनमें दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, तेलंगाना सीएम के चंद्रशेखर राव, केरल के सीएम पिनाराई विजयन और बीएसपी की प्रमुख मायावती भी शामिल हैं। हालांकि, कहा जा रहा है कि विपक्षी एकता को दर्शाने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन और कई नेता समारोह में पहुंच रहे हैं। बता दें कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में बीजेपी को हराने के मकसद से विपक्षी नेता एकजुट हो रहे हैं। लेकिन, इसके ठीक पहले हो रहे कर्नाटक के शपथ ग्रहण समारोह में विपक्ष के ही कई नेताओं को निमंत्रण नहीं मिलना इस एकता में दरार का संकेत है।

चौथे नंबर पर मुनियप्पा ने ली शपथ

चौथे नंबर पर केएच मुनियप्पा ने शपथ ली। मुनियप्पा देवनहल्ली की कोलार सीट से विधानसभा से सातवीं बार विधायक बने हैं। वह 30 साल सांसद रहे हैं। केंद्र सरकार में वह मंत्री भी रहे हैं। 2009 में रेल राज्यमंत्री भी थे। उन्हें उनके कद के अनुसार चौथे नंबर पर शपथ लेने के लिए भेजा गया। शपथ ग्रहण के बाद शाम को कैबिनेट मीटिंग होगी और कांग्रेस के घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा करने पर काम होगा।

सभी को मिली भागेदारी

2024 लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस ने कर्नाटक में गजब की सोशल इंजीनियरिंग की है। परमेश्वर नाराज थे, उन्हें मंत्री बनाया गया है और कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के बेटे प्रियांक भी मंत्री बनेंगे। इन सबसे ऊपर जाति का गणित समझना महत्वपूर्ण है। सिद्धारमैया सीएम होंगे जो ओबीसी समुदाय से आते हैं। डेप्युटी सीएम बनने जा रहे डीके शिवकुमार वोक्क ालिगा, जी परमेश्वर लिंगायत, केके जॉर्ज ईसाई, मुनियप्पा दलित, सतीश जारकीहोली एसटी, जमीर अहमद मुस्लिम, रामालिंग रेड्डी ओबीसी, प्रियांक खरगे एसटी और एमबी पाटिल दलित हैं।

विजयन को निमंत्रण न मिलने से भड़की एलडीएफ

केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में सिद्धरमैया के शपथ ग्रहण समारोह में केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को आमंत्रित न किये जाने को लेकर कांग्रेस की आलोचना की। एलडीएफ ने कहा कि यह कदम कांग्रेस की 'अपरिपक्व राजनीति और कमजोरी' को दर्शाता है। बेंगलुरु में हो रहे शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन सहित विभिन्न राज्यों के नेताओं को आमंत्रित किया गया। एलडीएफ समन्वयक ई.पी. जयराजन ने कहा कि कांग्रेस के इस कदम ने साबित कर दिया है कि वह भाजपा की 'फासीवादी' राजनीति के खिलाफ देश की धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक ताकतों को एक साथ लाने के मिशन को पूरा नहीं कर सकती।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

विवाद से छटे बादल!

"पिछले तीन चार महीने से अडानी की वजह से संसद तक नही चली थी। विवाद के बाद मामला कोर्ट में पहुंचा था। अब सेबी अपनी जांच कर रही है जिसके बाद पूरा मामला खुलेगा और दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। एक्सपर्ट कमेटी की ओर से सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि शेयरों के मूल्यों में हेरफेर के आरोपों पर नियामक की विफलता पर फिलहाल कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है।"

अदानी-हिंडनबर्ग मामले पर सुप्रीम कोर्ट की एक्सपर्ट कमेटी की प्रथम दृष्ट्या रिपोर्ट सार्वजनिक हो गई है इसमें अडानी की कंपनियों को क्लीन चिट दे दिया है। उधर अदानी ग्रुप के लिए राहत भरी खबर आई। इधर उसके शेयर भी उछल गए। पिछले तीन चार महीने से अडानी की वजह से संसद तक नहीं चली थी। विवाद के बाद मामला कोर्ट में पहुंचा था अब सेबी अपनी जांच कर रही है जिसके बाद पूरा मामला खुलेगा और दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। एक्सपर्ट कमेटी की ओर से सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि शेयरों के मूल्यों में हेरफेर के आरोपों पर नियामक की विफलता पर फिलहाल कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है। इसके बाद अदानी ग्रुप के शेयरों में तेजी देखने को मिली। एक्सपर्ट कमेटी के इस बयान के बाद अदानी ग्रुप के शेयरों में तेजी देखने को मिली। अदाणी विल्मर से लेकर अंबुजा सीमेंट के शेयरों में तेजी का रुझान शुक्रवार के सत्र में देखने को मिला।

बीते कारोबारी सत्र में अदाणी विल्मर 6.85 प्रतिशत, अदाणी पावर 4.93 प्रतिशत, अदाणी ट्रांसमिशन 4.62 प्रतिशत, अदाणी ग्रीन एनर्जी 4.18 प्रतिशत, अदाणी एंटरप्राइजेज और अदाणी पोर्ट 3.65 प्रतिशत, एनडीटीवी 3.53 प्रतिशत, अदाणी टोटल गैस 3.05 प्रतिशत और अंबुजा सीमेंट का शेयर 1.20 प्रतिशत और एसीसी का शेयर एक प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। सुप्रीम कोर्ट में एक्सपर्ट पैनल की ओर से कहा गया कि मौजूदा समय में सेबी द्वारा उपलब्ध कराए गए डाटा के मुताबिक, यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है कि शेयरों के मूल्यों में हेरफेर के आरोपों पर नियामक की विफलता हुई। एक्सपर्ट पैनल की इस टिप्पणी के बाद अदाणी ग्रुप के शेयरों में तेजी देखने को मिली। जनवरी के अंत में अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग की ओर से अदाणी ग्रुप पर शेयरों की कीमत में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया गया था, जिसके बाद ग्रुप के सभी शेयरों में गिरावट का ट्रेंड देखने को मिला था और ग्रुप के सभी शेयरों की वैल्यू 50 प्रतिशत तक गिर गई थी। हिंडनबर्ग के सभी आरोपों को अदाणी ग्रुप की ओर से खारिज कर दिया गया है। साथ ही कहा गया कि ये रिपोर्ट ग्रुप को नुकसान पहुंचाने के लिए लाई गई है। इसके बाद ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज का 20,000 करोड़ रुपये का भी आईपीओ रद्द कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट की एक्सपर्ट कमेटी में पूर्व न्यायाधीश से लेकर कई जानकार लोगों को शामिल किया गया था। इसका अर्थ है उन लोगों ने हर एक पहलू को बारीकी से जांचा उसके बाद ही निष्कर्ष दिया कई मामले में कुछ नही है केवल तूल दिया जा रहा था।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आर्थिक प्रतिस्पर्धी देश के रूप में अनुकूलताएं

जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों प्रकाशित हो रही विभिन्न वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों की रिपोर्टों में वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारत की अनुकूल क्रेडिट रेटिंग का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। 18 मई को दुनिया की प्रमुख अमेरिका की एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने भारत की सॉवरिन रेटिंग स्थिर परिदृश्य के साथ दीर्घावधि के लिए 'बीबीबी-' और कम अवधि के लिए 'ए-3' रखी है। यह परिदृश्य बताता है कि भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था और राजस्व में अच्छी वृद्धि राजकोष को मजबूती प्रदान करेगी। साथ ही एसएंडपी ने उम्मीद जताई है कि भारत की वास्तविक वृद्धि दर वित्त वर्ष 24 में 6 प्रतिशत रहेगी क्योंकि निवेश और उपभोक्ताओं का रुख वृद्धि में अगले कुछ साल तक मददगार रहेगा। ऐसे में वित्त वर्ष 25 और वित्त वर्ष 26 में भारत के लिए 6.9 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया गया है।

गौरतलब है कि 11 मई को प्रमुख वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष 2023-24 में चुनौतिपूर्ण वैश्विक वित्तीय स्थिति के बावजूद भारत वैश्विक आर्थिक झटकों को इसलिए सरलतापूर्वक झेल जाएगा, क्योंकि भारत का चालू खाते के घाटे (सीएडी) में सुधार हुआ है। चालू खाते का घाटा कम अवधि की प्रमुख विदेशी देनदारी के रूप में पहचाना जाता है। इससे विनिमय दर और विदेशी निवेशकों की धारणा प्रभावित होती है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि 9 मई को वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच ने भारत की रेटिंग बीबीबी-बरकरार रखी है। दीर्घ अवधि के ऋण पर भारत का परिदृश्य स्थिर रखा है। रेटिंग निर्धारित करते हुए फिच ने कहा कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में सरकार के सहयोग से कंपनियों और बैंकों के बहीखाते में काफी सुधार हुआ है और आधारभूत संरचना के विकास पर भी अधिक ध्यान दिया जा रहा है। निजी क्षेत्र भी बड़े स्तर पर निवेश करने की तैयारी कर रहा है।

फिच ने कहा कि बढ़ी महंगाई, ऊंची ब्याज दरों और वैश्विक स्तर पर मांग में कमी की बड़ी चुनौतियों के बीच भारत की आंतरिक वित्तीय स्थिति थोड़ी कमजोर जरूर है और प्रति व्यक्ति आय और विश्व बैंक के मानकों पर भी भारत थोड़ा फिसला है। लेकिन दूसरे देशों की तुलना में भारत की आर्थिक वृद्धि की संभावनाएं काफी मजबूत हैं और विदेश से आने वाले वित्तीय संसाधन भी संतोषप्रद हैं।

निवेश की बेहतर संभावनाओं के बीच वित्त वर्ष 2023-24 में देश की विकास दर 6 फीसदी और वित्त वर्ष 2024-25 तक देश की आर्थिक वृद्धि दर बढ़कर 6.7 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। इसी प्रकार एक्यूट क्रेडिट रेटिंग्स एंड रिसर्च ने वित्त वर्ष 2023 के लिए भारत के चालू खाते के घाटे से संबंधित अपने पूर्वानुमान को संशोधित किया है। इसे 106 अरब डॉलर से घटाकर 68 अरब डॉलर कर दिया है और भुगतान संतुलन घाटा भी पहले के 38 अरब डॉलर से घटाकर 17 अरब डॉलर कर दिया है। कहा गया है कि इस वर्ष कच्चे तेल का आयात बिल कम होने, निर्यात बढ़ने व प्रवासियों से विदेशी मुद्रा की अधिक प्राप्ति से भारत की वैश्विक साख बढ़ी है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में भी कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की बढ़ी हुई अनिश्चितताओं के बीच भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन दुनिया में भारत की अहमियत बढ़ा रहा है। वर्ष 2023 में कुल वैश्विक विकास में भारत 15 फीसदी से भी अधिक का योगदान देगा। जहां पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की विकास दर दुनिया में सबसे अधिक रही है, वहीं आगामी वित्त वर्ष 2023-24 में भी भारत की विकास दर 6.1 फीसदी के साथ फिर सर्वोच्च होगी। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक सामयिक मामलों के विभाग द्वारा प्रस्तुत 'विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं 2023' रिपोर्ट में भी भारत को उद्योग-कारोबार और निवेश के मद्देनजर विश्व का प्रमुख निवेश स्थल बताया गया है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारत का बढ़ता विदेश व्यापार और निर्यात भारत की वैश्विक क्रेडिट रेटिंग को संतोषप्रद बनाए रखने में अहम भूमिका निभा रहा है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव' (जीटीआरआई) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया की आर्थिक अस्थिरताओं के बावजूद वित्त वर्ष 2022-23 में भारत का विदेश व्यापार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचते हुए 1.6 लाख करोड़ डॉलर मूल्य की ऊंचाई पर रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का विदेश व्यापार 1.43 लाख करोड़ डॉलर रहा था। चालू वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का विदेश व्यापार पिछले वर्ष की तुलना में और अधिक ऊंचाई पर पहुंच सकता है। कहा जा रहा है कि भारतीय उत्पादों की मांग दुनियाभर में बढ़ रही है।

दरिद्रनाथ की सेवा हो नायक की पहचान

आर.के. सिन्हा

भारत में ही तमाम नये-नये अरबपति सामने आ रहे हैं। इनकी संख्या हर वर्ष तेजी से बढ़ती चली जा रही है। पर किसी को सिर्फ इसीलिए तो आदर्श या नायक नहीं माना जा सकता कि उसने खूब सारा धन कमा लिया है। लेकिन, धन कमाकर उसका समाज व देश के लिए उपयोग किया जाना अहम जरूर माना जा सकता है।

सुधा नारायणमूर्ति की शख्सियत से कोई बिना प्रभावित हुए नहीं रह सकता। उन्होंने अपने गहने तक बेच डाले थे ताकि उनके पति एन. नारायणमूर्ति अपनी कंपनी खोल सकें। उन्होंने पति को पैसे देकर प्रेरित किया कि वे अपने हिस्से के आकाश को छू लें। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की सास सुधा मूर्ति जब कोई बात कहती हैं तो उसके पीछे उनके जीवन भर का अनुभव और दर्शन छिपा होता है। उन्होंने कुछ दिन पहले एक टीवी कार्यक्रम में उन लोगों को प्यार-प्यार में नसीहत दी जिनके लिए जीवन में धन ही सब कुछ होता है, पैसे के आगे शेष सभी चीजों को गौण मानते हैं वहीं जो उन स्त्रियों को भी दोयम दर्जे का ही मानते हैं जो साड़ी या सलवार-कमीज पहनती हैं। सुधा ने इस बाबत अपने साथ घटी एक घटना भी सुनायी। दरअसल, पैसा कमाने में कुछ भी गलत नहीं है। अब लोग पैसा कमा भी बहुत रहे हैं।

भारत में ही तमाम नये-नये अरबपति सामने आ रहे हैं। इनकी संख्या हर वर्ष तेजी से बढ़ती चली जा रही है। पर किसी को सिर्फ इसीलिए तो आदर्श या नायक नहीं माना जा सकता कि उसने खूब सारा धन कमा लिया है। लेकिन, धन कमाकर उसका समाज व देश के लिए उपयोग किया जाना अहम जरूर माना जा सकता है। सुधा मूर्ति अपने धन को सैकड़ों करोड़ रुपये के घरों के निर्माण में नहीं फूंकतीं। वे दस-बारह कारें नहीं रखतीं। उनके लिए ज्ञान और छपे हुए शब्दों का विशेष महत्व है। हो सकता है आपने जितेन्द्र सिंह शंटी का नाम न सुना हो। पर वे किसी आदर्श से कम नहीं हैं। जबकि वे करोड़पति भी नहीं हैं। उन्होंने कोरोना की दूसरी लहर के समय कोरोना रोगियों को बेड दिलवाने में दिन-रात एक कर दी थी। शंटी बीते 30 साल से राजधानी और इसके आसपास के शहरों में लावारिस शवों का अंतिम संस्कार करवा रहे हैं। उन्होंने अपने हाथों से सैकड़ों लावारिस लोगों का अंतिम संस्कार किया है।

शंटी ने 100 से अधिक बार रक्तदान कर चुके हैं। ऐसे ही करीब चार दशक से राजधानी के राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) से जुड़े हुए डॉ राजीव सूद की अगुवाई में कोरोना की पहली और दूसरी लहर में उनके अस्पताल ने हजारों कोरोना रोगियों का इलाज करके घर भेजा था। इसी क्रम में वे खुद भी कोरोना की चपेट में आ गए थे। लेकिन ठीक हुए तो फिर जुट गए मरीजों का इलाज करने में। उस कठिन काल में जो कोई भी आया उसे सेहतमंद करने के लिए आरएमएल के डॉक्टरों और नर्सों ने अपनी जान लगा दी थी। हालांकि वे खुद को श्रेय देने से बचते हैं। सिर्फ इतना कहते हैं कि हमने जो किया वह फर्ज था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के 100 करोड़ कोरोना टीकों के लक्ष्य को हासिल करने के दौरान जब आरएमएल पहुंचे तो वहां डॉ. राजीव सूद और बाकी कोरोना वारियर्स से मुलाकात भी की थी। शंटी और डॉ. सूद का तो यहां पर उदाहरण दिया है। ये कोई करोड़ों के मालिक नहीं हैं। इन दोनों की तरह देशभर में सैकड़ों लोग निःस्वार्थ काम कर रहे हैं। ये तब भी सक्रिय थे जब सारा देश कोरोना के कारण त्राहि-त्राहि कर रहा था व अब भी एक्टिव हैं। बेशक इन्हें वो पहचान नहीं मिलती जिसके ये हकदार हैं। दरअसल, देश-दुनिया में आर्थिक उदारीकरण के बाद पैसे का महत्व बढ़ता ही जा रहा है। पैसा जरूरी है। इससे कोई इंकार नहीं कर सकता। पर क्या पैसा मनुष्यता से भी बड़ा हो गया? नहीं न। ऐसे बहुत धनकुबेर हैं जो लोक कल्याण कार्यों में अठन्नी भी नहीं देते। बेशक सपरिवार किसी रेस्तरां में बैठकर डिनर करने में हजारों रुपये खर्च कर दें पर वे अपने आसपास किसी लाइब्रेरी को पचास रुपये भी दान नहीं देते। ये जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को किताबें मुफ्त देने की भी आवश्यकता महसूस नहीं करते। इन्हें लगता है कि सालाना टैक्स अदा करके ये अपने देश के प्रति दायित्व का निर्वाह कर लेते हैं। ये सोच सही नहीं मानी जा सकती है। मैं तो उन्हें भी बहुत सम्मान देता हूं जो सुबह-शाम अस्पतालों के बाहर मरीजों और उनके परिवार वालों को भोजन करवा रहे होते हैं। ये भले लोग बिना किसी लाभ के दुखी का सहारा बन रहे होते हैं। दरअसल दीन-हीन का साथ देने के लिए हमेशा कोई बहुत पैसा वाला होना जरूरी नहीं। हरेक शहर में कुछ ऐसे अध्यापक मौजूद हैं जो निर्धन परिवार के बच्चों को पढ़ा रहे हैं।

दरअसल, जरूरी है कि हमारा समाज सिर्फ उन लोगों को ही महत्व न दे जो मोटा पैसा कमा चुके हैं। हां, अगर धनी इंसान शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में भी अपने धन का कुछ हिस्सा दे रहा है तो उसकी प्रशंसा की जानी चाहिए। तुलसीदास, कबीर व गुरु नानक के दौर में भी भारत में कई धनी लोग थे, और राजा थे। उन्हें कौन याद करता है? पर इन संतों के प्रति हरेक भारतीय के मन में आदर का भाव है। दरअसल, भारत में दरिद्रनाथ की सेवा करने वालों को सदैव सम्मान मिलता रहा है और भविष्य में भी ऐसे ही मिलता रहेगा।

यूपी के इन 6 शहरों में देश-विदेश से आते हैं पर्यटक

उत्तर प्रदेश भारत के सबसे बड़े राज्यों में से एक है। यहां के कई शहर पर्यटन के लिहाज से विश्व प्रसिद्ध हैं। विदेश से आने वाले पर्यटक उत्तर प्रदेश जरूर आते हैं। यहां दुनिया के सात अजूबों में से एक ताज महल है, तो वहीं भगवान भोलेनाथ की नगरी काशी भी है। मथुरा-वृंदावन की गलियों में देश विदेश के पर्यटक रोमांचक सफर का आनंद लेते हैं। संगम नगरी प्रयागराज से लेकर ऐतिहासिक शहर झांसी भी है। नवाबों की नगरी लखनऊ तो प्रभु श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या भी है। बौद्ध तीर्थ स्थल कुशीनगर और बौद्ध स्थल सारनाथ भी है। यह स्थल औपनिवेशिक इतिहास से लेकर संग्रहालयों तक आधुनिक शहर की सादगी की भव्यता को एक साथ प्रदर्शित करता है।

लखनऊ

लखनऊ को कबाब और नवाबों के शहर रूप में जाना जाता है जो अपने साहित्य और संस्कृति और वास्तुकला के लिए काफी प्रसिद्ध है। लखनऊ एक ऐसा शहर है जो अपने आकर्षक पर्यटन स्थलों से पर्यटकों के चेहरे पर एक अनोखी मुस्कान छोड़ देता है।

प्रयागराज

संगम नगरी प्रयागराज उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े शहरों में से एक है। यहां हर 12 साल में विश्व प्रसिद्ध कुंभ मेले का आयोजन होता है, जिसमें विदेशों से भी श्रद्धालु शामिल होते हैं। यहां यमुना, गंगा और सरस्वती, इन तीनों नदियों का मिलन होता है।

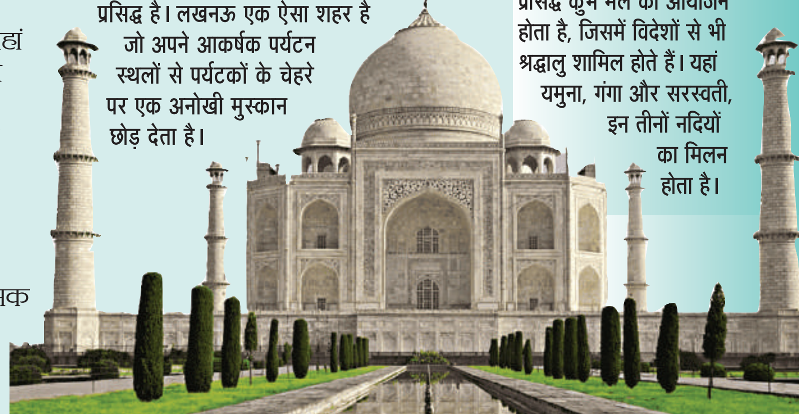

वाराणसी

भारत के वाराणसी शहर को दुनिया के सबसे प्राचीन शहरों में माना जाता है। वाराणसी गंगा तट पर स्थित हिंदुओं की धार्मिक आस्था से जुड़ा पवित्र शहर है। यहां स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर विश्व प्रसिद्ध है। बनारस गंगा घाटों, मंदिर, घुमावदार गलियों के लिए जाना जाता है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। दशाश्वमेध घाट की गंगा आरती, अस्सी घाट, भारत माता मंदिर, बीएचयू परिसर काफी प्रसिद्ध है।

आगरा

ताज नगरी आगरा उत्तर प्रदेश का ही नहीं, बल्कि भारत के सबसे मशहूर शहरों में शामिल हैं। आगरा का जिक्र आते ही सबसे पहले ताजमहल का नाम आता है। मुगल बादशाह शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज की याद में ताजमहल का निर्माण कराया था। सफेद संगमरमर से बना ताजमहल दुनिया के सात अजूबों में से एक है। ताज के दीदार के लिए विदेशों से लोग आते हैं। ताज के अलावा आगरा में पुराना किला, मुगल गार्डन समेत कई ऐतिहासिक इमारतें हैं।

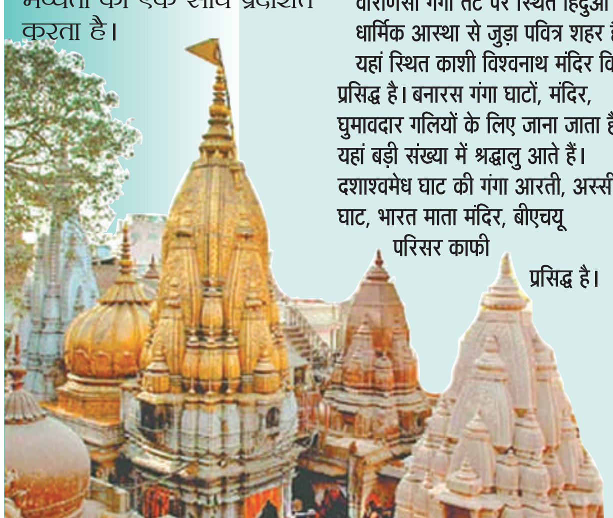

अयोध्या

राम जन्मभूमि पर मंदिर का निर्माण शुरू होते ही अयोध्या में पर्यटकों की संख्या बढ़ने लगी है। अयोध्या श्री राम की जन्म स्थली है और धार्मिक आस्था से जुड़ा पवित्र स्थान है। यहां आपको कई मंदिरों के दर्शन का मौका मिलता है। राम लला मंदिर, हनुमान गढ़ी मंदिर, नागेश्वर नाथ मंदिर, राजकोट, कनक भवन मंदिर, त्रेता के ठाकुर, मोती महल को देखने के लिए दूर दूर से लोग आते हैं।

मथुरा

भगवान विष्णु के अवतार श्रीकृष्ण की जन्मस्थली उत्तर प्रदेश के मथुरा शहर में है। मथुरा शहर भारतीयों के साथ ही विदेशियो में भी लोकप्रिय है। यहां कृष्ण जन्म भूमि, द्वारिकाधीश मंदिर, कुसुम सरोवर, गोवर्धन पर्वत और कई अन्य मंदिरों के दर्शन के लिए देश विदेश से लोग आते हैं।

हंसना मना है

लड़की- लड़के के गले लगकर बोली...कुछ ऐसा कहो की मेरा दिल जोरो से धड़क जाए, लड़का- ऐसे ही खड़ी रह चुपचाप...पीछे तेरा बाप खड़ा है...

मेहमान- और बताओ बेटा आगे का क्या प्लान है... बच्चा- बस आपके जाते ही बिस्कुट खाउंगा... वैसे भी नमकीन और मेवा तो आपने छोड़ी नहीं है....

पति (किताब पढ़ते हुए) - एक लेखक ने लिखा है कि पतियों को भी बोलने की आजादी होनी चाहिए...!!! पत्नी (हंसते हुए) - देखो वो भी बेचारा लिख ही पाया, बोल नहीं पाया...!!!

टीचर- कल होमवर्क नहीं किया तो मुर्गा बनाऊंगा। पप्पू - सर मुर्गा तो मैं नहीं खाता, आप चाहो तो मटर पनीर बना लेना पप्पू का जवाब सुनकर मास्टर जी ने कल के बजाए उसे आज ही मुर्गा बना दिया।

कहानी — अकबर का तोता

एक बार अकबर बाजार में भ्रमण पर निकले थे। वहां उन्होंने एक तोता देखा, उसके मालिक ने उसे बहुत अच्छी बातें सिखाई थीं। अकबर ने उस तोते को खरीदने का फैसला कर लिया। तोते को खरीदने के बदले अकबर ने मालिक को अच्छी कीमत दी। वो उस तोते को राजमहल लेकर आए। यहां पर तोते को लाने के बाद अकबर ने उसे बहुत अच्छे से रखने का फैसला किया। अब अकबर जब भी उससे कोई बात पूछते, तो वह उस बात का तुरंत जवाब दे देता था। वह तोता दिनों-दिन उनके लिए जान से भी प्यारा हो गया था। उन्होंने महल में उसके रहने के लिए शाही व्यवस्था करने का आदेश दिया। उन्होंने अपने सेवकों को कहा कि इस तोते का खास ख्याल रखा जाए। तोते को किसी भी प्रकार की तकलीफ नहीं होनी चाहिए।' यह तोता किसी भी हालत में मरना तो बिल्कुल भी नहीं चाहिए। अगर किसी ने तोते के मरने की खबर उनको दी, तो वह उसको फांसी दे देंगे।' तोते के रहने का खास ख्याल रखा जाने लगा। फिर एक दिन तोता मर गया। अब महल के सेवकों में हड़कंप मच गया कि आखिर अकबर को यह बात कौन बताएगा, क्योंकि अकबर ने कहा था कि जो भी तोते की मौत की खबर उन्हें देगा, वह उसकी जान ले लेंगे। अब सेवक परेशान थे। काफी सोच-विचार के बाद सभी ने बीरबल को सारी बात बताई। यह भी बताया कि बादशाह अकबर मौत की खबर देने वाले को मौत की सजा देंगे। यह सुनकर बीरबल, बादशाह को यह खबर सुनाने को राजी हो गए। वो महल में अकबर को यह जानकारी देने के लिए चल पड़े। बीरबल ने अकबर के पास जाकर कहा, 'महाराज एक दुखद खबर है।' अकबर ने पूछा - 'बताओ क्या हुआ?' बीरबल ने कहा कि महाराज आपका प्यारा तोता, न तो कुछ खा रहा है, न तो कुछ पी रहा है, न तो कुछ बोल रहा है, न आंखें खोल रहा है और न ही कोई हरकत कर रहा है और न ही।' अकबर गुस्से में आकर बोले, 'न ही क्या? सीधा-सीधा क्यों नहीं बोलते कि वो मर गया है।' बीरबल ने कहा, 'हां महाराज, लेकिन ये बात मैंने नहीं आपने कही है। इसलिए, मेरी जान बक्श दीजिए।' अकबर भी कुछ न बोल सके। इस तरह बीरबल ने बड़ी सूझबूझ से अपनी और अपने सेवकों की जान बचा ली।

7 अंतर खोजें

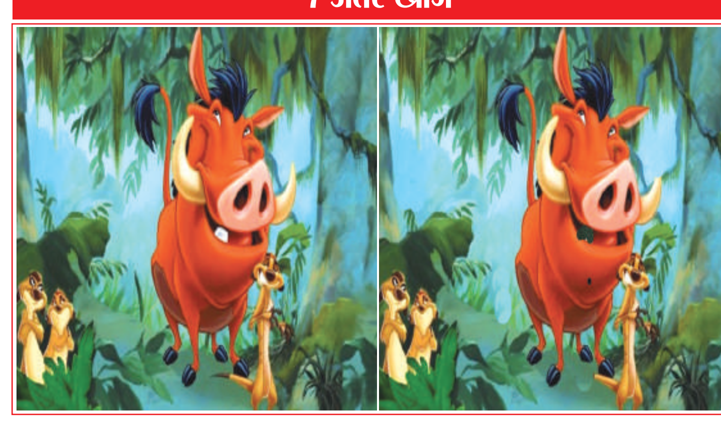

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

वृषभ

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। कार्य करते समय लापरवाही न करें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। विवाद से बचें।

मिथुन

घर-परिवार की चिंता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी।

कर्क

लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्रोध रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

सिंह

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा।

कन्या

बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी। विवाद से क्लेश होगा।

तुला

सामाजिक कार्यों में मन लगेगा। दूसरों की सहायता कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक

उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु

यात्रा मनोरंजक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे।

मकर

अनावश्यक जोखिम न लें। किसी भी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग उभर सकता है। सेहत को प्राथमिकता दें।

कुम्भ

मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच?छा समय व्यतीत होगा।

मीन

घर-परिवार के साथ आराम तथा मनोरंजन के साथ समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

सांवले रंग की वजह से टेलकम पाउडर की कंपनी ने मुझे कर दिया था रिजेक्ट : चित्रांगदा

चित्रांगदा सिंह एक लंबा वक्त फिल्म इंडस्ट्री में बिता चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने कई बेहतरीन किरदारों को बहुत खूबसूरती से पर्दे पर उतारा है। इस कारण आज दुनियाभर के लोग एक्ट्रेस पर फिदा है। हालांकि, चित्रांगदा को आज भी अपनी लाइफ में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इस बीच अब एक्ट्रेस ने अपने रिजेक्शन को लेकर एक ऐसा खुलासा किया है कि हर कोई दंग रह गया है। चित्रांगदा ने हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में अपने स्ट्रगल के दिनों का खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने बताया कि वह उस समय म्यूजिक वीडियोज किया करती थीं। उन्होंने एक टेलकम पाउडर कंपनी के विज्ञापन का हिस्सा बनने की कोशिश की, लेकिन कंपनी ने चित्रांगदा को सिर्फ इसलिए रिजेक्ट कर दिया क्योंकि वह ज्यादा गोरी नहीं थीं। चित्रांगदा ने आगे बताया, इस रिजेक्शन के बाद मैंने एक फिल्म के लिए ऑडिशन दिया और मुझे ऐसा लगा कि मुझमें वो बात ही नहीं है। तभी मुझे फिल्म का ऑफर आ गया। तब मैं बहुत खुश थी। उन्हें लग रहा है कि मैं अच्छा काम करूंगी। मैंने देखा कि कई लोगों ने उस फिल्म के लिए ऑडिशन दे चुके थे। ईमानदारी से कहूं तो मैं वाकई फिल्में करना चाहती थी। करियर के लिहाज से मुझे फिल्मों में एक ब्रेक की जरूरत थी। गौरतलब है कि चित्रांगदा ने 2005 में सुधीर मिश्रा की फिल्म हजारों ख्वाहिशें ऐसी से बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह लगातार कई फिल्मों का हिस्सा बनीं। खासतौर पर उन्हें आइटम सॉन्स में काफी पसंद किया गया है।

फिर पर्दे पर लौट रहा गोलमाल का धमाल!

रोहित शेट्टी की 'गोलमाल' फिल्म सीरीज सुपरहिट रही है। गोलमाल फिल्म की कॉमेडी आज भी खूब पसंद की जाती है। फिल्म की कॉमेडी क्लिप्स सोशल मीडिया पर खूब वायरल रहती हैं। हाल ही में डायरेक्टर रोहित शेट्टी की फिल्म सर्कस बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही है। ऐसे में रोहित शेट्टी अपने दर्शकों के लिए पुराना जादू तैयार कर रहे हैं। रोहित शेट्टी जल्द ही गोलमाल-5 की तैयारी शुरू करने वाले हैं। रोहित शेट्टी ने भी इसकी जानकारी दी थी। अब गोलमाल के एक्टर श्रेयस तलपड़े ने भी इंटरव्यू में फिल्म को लेकर खुलासा किया है। श्रेयस तलपड़े ने हाल ही में बताया, केवल फैन्स ही नहीं हम लोग भी फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अजय देवगन और रोहित शेट्टी ने गोलमाल की अगली फिल्म की घोषणा कर दी थी। लेकिन कोरोना के बाद चीजें बदल गईं। अगर ईमानदारी से कहूं तो मुझे अभी कहानी के बारे में कुछ नहीं पता, लेकिन उम्मीद है कि जल्द ही रोहित शेट्टी इस पर काम शुरू कर देंगे।'

रणवीर सिंह आएंगे नजर!

हाल ही में रिलीज हुई रोहित शेट्टी की फिल्म सर्कस के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर उन्होंने कहा कि इस फिल्म में रणवीर सिंह को भी कास्ट करने की चर्चा है। हालांकि ये खबर सामने आने के बाद रणवीर सिंह की फैंस की खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा है। वहीं बात अगर डायरेक्टर रोहित शेट्टी की सर्कस की करें तो इस मल्टी स्टारर फिल्म में रणवीर सिंह और जैकलीन फर्नांडीज लीड रोल में थे। साथ ही इसमें दीपिका पादुकोण भी नजर आई थीं। हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरफ्लॉप रही थी।

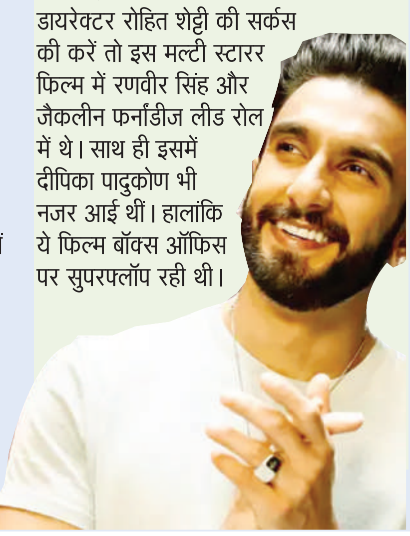

आलिया की कुछ आदतों से चिढ़ते हैं रणवीर कपूर

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट इंडस्ट्री के सबसे क्यूट कपल्स की लिस्ट में शुमार हो चुके हैं। बेटी राहा के जन्म के बाद इनकी बॉन्डिंग और मजबूत दिखने लगी है। दोनों ही सितारे अपने परिवार के साथ-साथ करियर पर भी पूरा ध्यान दे रहे हैं। पिछले ही दिनों रणबीर की फिल्म तू झूठी मैं मक्कार रिलीज हुई है। इसी फिल्म के प्रमोशन के दौरान हाल ही में रणबीर ने आलिया की एक आदत को लेकर बड़ा खुलासा किया है। एक इंटरव्यू में रणबीर से जब पूछा गया कि उन्हें आलिया की कौन सी आदत उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं है? इसके जवाब में रणबीर ने कहा कि उन्हें आलिया की बाथरूम हैबिट्स बिल्कुल पसंद नहीं है। उन्होंने कहा, उसकी बाथरूम हैबिट्स है किसी भी जगह तौलिया छोड़ देना, मेकअप रिमूवर फेंक देना। मुझे ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर) है।रणबीर ने कहा, वो जब भी बाथरूम से बाहर आती है तो मुझे हर जगह गड़बड़ दिखाई देती है। मुझसे उसकी यही आदत बर्दाश्त नहीं होती है। अब रणबीर को क्यों आलिया की ये आदत परेशान करती है, ये बात वो लोग ज्यादा बेहतर समझ पाएंगे, जो इष्ठ से जूझ रहे हैं। रणबीर के अलावा भी कई सितारे इष्ठ ने जूझ रहे हैं। खबरों की माने तो इनमें दीपिका पादुकोण, आयुष्मान खुराना, विद्या बालन, फरहान अख्तर, अजय देवगन, सनी लियोन, अली फजल और प्रिटी जिंटा जैसे सितारों का नाम शामिल है।

भोजपुरी | मसाला

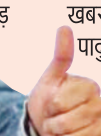

अजब-गजब | धधकती हुई राड से कंधे के पास किया जाता है छेद

प्राकृतिक चिकित्सा के रूप में मरीजों को देते हैं 'जहर', फिर भी लोग कराते हैं इलाज

साइंस काफी तरक्की कर चुका है। लगभग हर बीमारी की दवा है। लेकिन आज भी दुनिया में कई ऐसे पारंपरिक तरीके हैं, जिनपर लोग भरोसा करते हैं। कंबो इनमें से एक है। इसमें मरीजों को मेंढक का जहर दिया जाता है। हाल ही में 2 मरीजों की मौत तक हो गई। इसके बावजूद लोग इससे अपना इलाज करवा रहे हैं। अमेजन के देशों में एक प्राकृतिक चिकित्सा के रूप में मशहूर इस प्रथा से माना जाता है कि कई बीमारियां ठीक हो जाती हैं। दावा तो यहां तक किया जाता है कि इससे कैंसर, बांझपन, डिप्रेशन और अल्जाइमर जैसे रोग तुरंत ठीक हो जाते हैं। आइए जानते हैं इस प्रथा के बारे में।

शुरुआत में मरीज को एक लीटर पानी या कसावा सूप पिलाते हैं। कुछ देर बाद आग में धधकती हुई एक रॉड से कंधे के पास छेद किया जाता है। जैसे ही रॉड लगाते हैं फफोला पड़ जाता है, और वहां बैठा शख्स उसे नोच देता है। इसके बाद मेंढक का जहर उस घाव में भरा जाता है। जहर के मांस के संपर्क में आते ही आदमी पागल की तरह हो जाता है। क्योंकि यह खून के माध्यम से उसके पूरे शरीर में चला जाता है।

उल्टी-दस्त होने लगती है। बार-बार यूरिन डिस्चार्ज, चक्कर आना, हाई ब्लड प्रेशर और पेट में तेज दर्द होने लगता है। वैसे तो 5 से 30 मिनट के लिए ही ऐसा होता है, लेकिन कई बार घंटों लोग परेशान रहते हैं।

फिर शरीर से जहर को बाहर निकलाने के लिए पानी या चाय पिलाई जाती है। लोगों को घंटों पास की नदी में लेटने को कहा जाता है ताकि शरीर ठंडा रहे। इसके बावजूद लोग बेहाल रहते हैं। कई बार तो बेहोश तक हो जाते हैं।

दरअसल, कंबो मूल रूप से जहर है, इसलिए कुछ देशों में इसे प्रतिबंधित कर दिया गया है, लेकिन अमेरिका में यह कानूनी तौर पर मान्य है। हालांकि, फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने अभी इसे रेगुलराइज नहीं किया है। यह कितना कारगर है, इस पर अभी तक कोई शोध नहीं हुआ है, लेकिन हजारों लोग आज भी इस पद्धति से अपना इलाज करा रहे हैं। इनमें कई अमीर लोग भी शामिल हैं।

कंबो लगाते ही 2 लोगों की मौत

यह इतना खतरनाक है कि हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में 2 लोगों की मौत हो गई। नताशा लेचनर नाम की एक महिला को पीठ में काफी दिनों से दर्द था। दवाओं से ठीक नहीं हो पा रहा था। किसी ने उन्हें इस पद्धति से इलाज कराने की सलाह दी। उन्होंने घर पर बुलाकर इलाज कराया, लेकिन कंबो लगाने के कुछ सेकेंड के भीतर वह बेहोश हो गईं और कुछ मिनटों बाद उनकी मौत हो गई। इसी तरह 46 वर्षीय जराड एंटोनोविच इलाज के बाद बीमार हो गए। उनका चेहरा फूल गया और दूसरे ही दिन उनकी मौत हो गई।

नागा साधु क्यों और कैसे तय कर रहे 4000 किमी का सफर?

एक साथ कई नागा साधु साष्टांग दंडवत करते हुए इन दिनों तेलंगाना की सड़कों पर नजर आ रहे हैं। इनके साथ एक गाड़ी भी हौले-हौले चलती रहती है, जिसमें इन साधुओं के लिए भोजन व अन्य जरूरी चीजों का इंतजाम है। ये नागा साधु असल में 4000 किलोमीटर की साष्टांग नमस्कार यात्रा पर निकले हुए हैं और तमिलनाडु तक इसी तरह सड़कों पर दंडवत करते हुए जाने वाले हैं। पर क्यों? 'विश्व कल्याण' यानी दुनिया के भले के लिए गंगोत्री से रामेश्वरम तक की साष्टांग दंडवत यात्रा कर रहे ये साधु मूलतः मध्य प्रदेश से हैं और पिछले साल जून महीने में इन्होंने उत्तराखंड से यह यात्रा शुरू की थी। झुलसाती गर्मी के मौसम में डामर और सीमेंट से बनी सड़कों पर करीब-करीब लोटते हुए चल रहे इन साधुओं को देखने वाले हैरान तो हो ही रहे हैं। पहाड़ों से शुरू हुई यह यात्रा तेलंगाना के भद्राद्रि काठगोदाम जिले तक पहुंच चुकी है। यहां भद्राचलम में श्री सीता रामचंद्र स्वामी मंदिर में इन साधुओं ने विशेष प्रार्थना पूजा भी की। ये साधु अलसुबह से साष्टांग दंडवत यात्रा शुरू करते हैं और रात में विश्राम लेते हैं। बीच-बीच में भी ब्रेक लेते हैं। जब आप जमीन से शरीर को इस तरह लगाएं कि माथे से लेकर पैर के अंगूठों तक आपके शरीर के आठ प्रमुख अंग धरातल को छुएं, उसे साष्टांग नमस्कार कहते हैं। यह अपने इष्ट के प्रति श्रद्धा व भक्ति जताने का भाव है। साष्टांग कर रहे नागाओं ने बताया कि साष्टांग नमस्कार के लिए सिर, आंखें, कान, मुंह, हाथ, जांघें और पैरों को जमीन पर छुआना होता है।

आचार सहिता का उल्लंघन कर बांटा गया टेंडर

मिर्जापुर के बिजली विभाग में अधिकारियों का कारनामा, वरिष्ठ अफसरों से की जांच की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मिर्जापुर में बिजली विभाग द्वारा चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का मामला संज्ञान में आया है। इसके बाबत वहां के अधीक्षण अभियंता एक खिलाफ एक शिकायत प्रबंध निदेशक पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को भेजी गई है। शिकायतकर्ता के वकील आशिष मिश्रा ने बताया कि नीरज गोयल अधीक्षण अभियंता कार्यवृत्त ने सहिंता काल में अवैध रुप से फ्लोटिंग व टेंडर निकाला जो सरासर आचार सहिंता उल्लंघन है।

गौरतलब हो कि 9 अप्रैल से 13 मई 2023 तक निकाय चुनाव के मद्देनर प्रदेश में आचार सहिंता लागू थी। इस बीच 20 अप्रैल को अधीक्षण अंभियंता वर्क्स सर्कल पीयूवीवीएनएल मिर्जापुर ने विद्युत लाइनों को अंडरग्राउंड करने के लिए ई टेंडर निकाला था। इसके अंतर्गत विंध्यवासिनी धाम न्यू वीआईपी रोड, ओल्ड वीआईपी, कोतवाली गली, घाट रोड व मंदिर परिसर में जमा योजना के तहत टर्नकी आधार पर डिपाजिट स्कीम की निविदा 4 मई को खोली गई, इसकी अंतिम तिथि 3 मई थी। आरोपी ने बताया कि निविदा 12 मई को शाम 5.51 अपडेट किया गया जबकि बोली उसी तारीख को शाम 6.7 मिनट पर खोली गई। समय को देखते हुए ऐस लग रहा है कि इन टेडरों के लिए मुख्य अभियंता व अधीक्षण अभियंता कार्यालयों की अनुमति नही ली गई है। साथ ही इससे ऐसा प्रतीत होता है कर्मचारी काम लेने वाली कंपनी अमित इंजिनियरिंग कार्पोरेशन संपर्क में थे। इसमें टेंडर खोलने का समय भी संदेह के घेरे में ये सारे टेंडर काम के समय के घंटों से इतर दिए गए। टेंडर में बोली के लिए सिर्फ दो ही बोलीकर्ता शामिल किए गए जबकि नियमानुसार कम से कम तीन बोलीकर्ता होने चाहिए थे। 12 सौ लाख रुपये की परियोजना में केवल 15 लाख रुपये की योजना स्वीकृत किए गए हैं। सबसे बड़ी बात चुनाव अयोग केअनुसार कोई भी टेंडर आचार संहिता के दौरान अगर लागू करना है तो आयोग की अनुमति जरूरी है। पर अधिकारियों ने नियमों की अनदेखी कर टेंडर जारी कर आयोग के आदेशों की अवहेलना की है। अब शिकायतकर्ता ने इस मामले की जांच के लिए प्रबंध निदेशक पूर्वांचल विद्युत वितरण लिमिटेड को पत्र लिखा है। उन्होंने ने लिखा है कि कार्यकारी अभियंता वितरण मिर्जापुर कार्यालय ने 2.32 करोड़ की लागत के बदले 11.9659 करोड़ की अनुमानित लागत पर टेंडर मंगवाए। आचार संहिता के समय टेंडर आमंत्रित करने, खोलने व संबंधित अधिकारी की स्वीकृति के बिना सारे कार्य किए गए इन सबकी जांच होनी चाहिए। आरोप लगाया है कि उक्त टेंडर में अपने चहेते ठेकेदारों को ही लाभ पहुंचाया गया। उन्होने वरिष्ठ अधिकारियों से उक्त मामले की जांच करने व टेंडर को निरस्त करने की मांग की है।

बेकाबू बोलेरो पेड़ से टकराई चार की मौत, तीन लोग घायल

» जयमाल के बाद वापस गोधनी गांव लौट रहे थे बराती

» रोड पर मवेशी के आ जाने से हुआ हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बांद। जिले के तिंदवारी में बरात लेकर लौट रही बोलेरो पेड़ से टकरा गई। हादसे के वक्त बोलेरो में सात लोग सवार थे। जिसमें चार की मौत हो गई। जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में दो को कानपुर रेफर किया गया है। जबकि एक का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

तिंदवारी थाना क्षेत्र के गोधनी गांव निवासी राजू सिंह के बेटे अंकित सिंह की बरात रविवार को बदौसा थाना क्षेत्र के कुरहूं गांव गई थी। जयमाल आदि के बाद कुछ बराती बोलेरो से रात करीब एक बजे वहां से गोधनी के लिए निकले। तभी बदौसा थाना के तुर्रा के पास अचानक मवेशी के आ जाने और उसे बचाने के चक्कर में बोलेरो चालक राजीव उर्फ राजू नियंत्रण खो बैठा और बोलेरो सड़क किनारे आम के पेड़ से टकरा गई।

जिसमें बोलेरो चालक राजीव उर्फ राजू तिवारी (48) पुत्र रामआसरे तिवारी समेत देवराज द्विवेदी (65) पुत्र सियाराम द्विवेदी, लक्ष्मी द्विवेदी (70) पुत्र मइयादीन, कैलाशी (54) पुत्र रामपाल तिवारी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मोहित (22) पुत्र रामदत्त द्विवेदी, शिवशंकर (30) पुत्र माता प्रसाद तिवारी, देवी प्रसाद (36) पुत्र रामखेलावन गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से शिवशंकर और देवी प्रसाद को कानपुर रेफर किया गया है।

नार्को टेस्ट करवाने को तैयार : बृजभूषण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। रविवार को मनकापुर के कोल्हार गांव में भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष व कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि मैं अपना नार्को टेस्ट, पालीग्राफी टेस्ट, लाइव डिडेक्टर करवाने के लिए तैयार हूं, लेकिन मेरी शर्त है कि मेरे साथ विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया का भी ये टेस्ट होना चाहिए।

अगर दोनों पहलवान अपना टेस्ट करवाने के लिए तैयार हैं तो प्रेस बुलाकर घोषणा करें। मैं उनको वचन देता हूं कि मैं भी इसके लिए तैयार हूं। मैं आज भी अपनी बात पर कायम हूं और हमेशा कायम रहने का देशवासियों से वादा करता हूं। रघुकुल रीति सदा चल आई प्राण जाय पर वचन न जाए...जय श्रीराम । मैं खुद नहीं समझ पा रहा हूं कि जिन बच्चों को कामयाब बनाने में मैंने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया, आज वही बच्चे राजनीति का खिलौना बन गए।

सांसद बोले- मैं अपने आप को जानता हूं: मैंने पहले दिन ही कहा था कि कब हुआ, कहां हुआ, किसके साथ, क्या हुआ। चार माह हो गए और ये लोग अभी बता नहीं पा रहे हैं। मेरे ऊपर हुड टेच और बैड टेच का आरोप है। उदाहरण दिया कि जैसे आपने मुझे माला पहनाया और आपका हाथ शरीर में लग जाए। इसी पर ये लोग उनकी फांसी चाहते हैं। सांसद ने कहा कि मैं अपने आप को जानता हूं। इनके पास कोई टेलीफोन नहीं है। इनको जिंदगी में मैंने कभी फोन नहीं किया।

विधाता हमारे माध्यम से कोई बड़ा काम लेना चाहता है : सांसद

अगर कैकेयी माता ने वनवास न मांगा होता तो राम केवल राजा बनकर रह जाते। न केवट, सुग्रीव, हनुमान जी, शबरी, विभीषण से भेंट होती और न लंका दहन होता न रामसेतु बनता और न रावण मारा जाता। वैसे ही विधाता हमारे माध्यम से कोई बड़ा काम लेना चाहता है। गलत आरोप के द्वारा युवा आत्महत्या कर रहे हैं। देश के संतों ने पांच जून को आह्वान किया है। 11 लाख लोग एकत्रित होंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में युवाओं के भविष्य से जुड़ा बड़ा निर्णय होने वाला है। उस दिन अयोध्या के संत बोलेंगे पूरा देश सुनेगा और मेरे बारे में कोई बात नहीं होनी है। जो गलत का विरोध नहीं करता वह पाप का भागी होता है। अधिकारों के लिए क्रांति का बिगुल बजाना ही होगा। अब तो मेरी पीढ़ी को कुछ लहू चुकाना ही होगा। मेरे ऊपर जो आरोप लगा है वह गलत साबित करते हुए एकबार फिर आपके बीच में आऊंगा। उन्होंने पांच जून को अयोध्या पहुंचने की अपील की।

विराट के शतक पर गिल की पारी पड़ी भारी

» गुजरात ने बैंगलोर को आईपीएल से किया बाहर

» हैदराबाद को हराकर मुंबई प्लेऑफ में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमदाबाद। आईपीएल 2023 में गजब का ड्रामा देखने को मिला। कल लीग राउंड में दो नॉकआउट मुकाबले खेले गए। मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर दोनों को ही प्लेऑफ में पहुंचने के लिए जीत जरूरी थी। हालांकि, ऐसा नहीं हो पाया। मुंबई ने तो सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली, लेकिन गुजरात टाइटंस ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

विराट कोहली के शतक पर शुभमन गिल की शतकीय पारी भारी पड़ी। हालांकि, आरसीबी के कुछ फैंस इस हार को पचा नहीं पाए। इसके बाद सोशल मीडिया पर शुभमन और उनकी बहन के लिए आरसीबी के फैंस ने अपशब्दों के इस्तेमाल किए हैं। जहां कुछ प्रशंसक शुभमन को टी20 लीग के 16वें संस्करण में आरसीबी के अभियान को खत्म करते देख खुश नहीं थे, वहीं परिणाम को लेकर शुभमन और कोहली के बीच कोई दुश्मनी नहीं थी। दरअसल, मैच के बाद कोहली ने शुभमन को गले से लगा लिया और मुस्कुराते हुए उनकी पीठ थपथपाई और बेहतरीन पारी के लिए शाबासी दी।

मैच की बात करें तो आईपीएल 2023 के पहले मुकाबले में चेन्नई को हराने वाली गुजरात टाइटंस ने आखिरी लीग मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को छह विकेट से हरा दिया। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट खोकर 197 रन बनाए थे। इसके जवाब में गुजरात ने चार विकेट खोकर 19.1 ओवर में 198 रन बना लिए और मैच अपने नाम कर लिया। बैंगलोर के लिए विराट कोहली ने नाबाद 101 रन बनाए। वहीं, गुजरात के लिए शुभमन गिल ने नाबाद 104 रन बनाए।

सवारियों से भरी नाव पलटी तीन महिलाओं के मिले शव

» बलिया में सुबह हुआ बड़ा हादसा, मुंडन संस्कार के लिए गंगा पार जा रहे थे लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलिया। यूपी के बलिया जिले से सोमवार सुबह बड़ा हादसा हुआ। माल्देपुर संगम घाट पर मुंडन संस्कार के लिए गंगा पार जा रही सवारियों से भरी नाव डूब गई। इसमें कई लोगों के डूबने की आशंका है। तीन महिलाओं के शव निकाले गए हैं। स्थानीय नाविकों और पुलिस ने 12 से ज्यादा लोगों को नदी से सुरक्षित बाहर निकाला। अन्य की तलाश पुलिस और गोताखोरों की टीम जुटी है।

नदी से निकाले गए लोगों में से तीन महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना से कोहराम मचा है। घाट किनारे ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी है। माल्देपुर संगमघाट पर सोमवार को मुंडन संस्कार के लिए हजारों की भीड़ जुटी। नाविक अधिक कमाई के चक्कर में नाव पर क्षमता से अधिक सवारियों को बैठाकर गंगा पार करा रहे थे। इसी दौरान दर्जनों महिला-पुरुष सवार एक नाव गंगा पार जा रही थी।

30 से ज्यादा लोग सवार थे

अभी कुछ दूर पहुंची थी कि अचानक नाव ओवरलोड होने के कारण बैठ गई। बताया जा रहा है कि नाव पर 30 से ज्यादा लोग सवार थे। नाव डूबता देख घाट पर ह?कंप मच गया। सुरक्षा में तैनात जवानों और स्थानीय नाविकों ने तत्परता दिखाते हुए छोटी नाव से डूब रहे लोगों को बचाया। तीन महिलाओं के शव बरामद हुए। अन्य की तलाश जारी है।

जीप, स्कॉर्पियो से टकराई पिता-पुत्र ने जान गंवाई

बलिया । गड़वार-नगरा मार्ग के सलेमपुर महाविद्यालय पुलिया के समीप स्कॉर्पियो से टक्कर के बाद जीप अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें मुंडन संस्कार के लिए जा रहे जीप सवार करीब एक दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर ही पिता-पुत्र की मौत हो गई। आसपास के लोगों व पुलिस ने सभी घायलों को आनन-फानन नगरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों ने गंभीर अवस्था को देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। गड़वार थाना क्षेत्र के मझौवा गांव निवासी खिचड़ी चौहान के नाती शिवम का मुंडन संस्कार होना था। रिश्तेदार और परिवार के लोग जीप से बलिया गंगा घाट जा रहे थे। सलेमपुर पुलिया के समीप तेज रफ्तार स्कॉर्पियो से जीप की आमने-सामने टक्कर हो गई। जीप अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पलट गई। हादसे में मझौवा निवासी पिता-पुत्र खिचड़ी चौहान (65) और रामाशंकर चौहान (45) की मौके पर ही मौत हो गई। 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

देवरिया में भीषण सड़क हादसा, ट्रक से कार भिड़ी मासूम समेत पांच की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में सोमवार की सुबह भीषण सड़क दुर्घटना हुई। भाटपाररानी थाना क्षेत्र के बहियारी बघेल के समीप बनकटा की तरफ से आ रहे ट्रक व मझौलीराज की तरफ से जा रही क्रेटा कार की आमने-सामने की टक्कर हो गई। जिसमें क्रेटा सवार एक तीन वर्षीय बच्ची व तीन महिलाओं व तथा कार चालक की मौत हो गई।

क्रेटा में सवार तीन अन्य लोग घायल हैं। अस्पताल पर पहुंच एसडीएम, सीओ समेत अन्य अधिकारियों ने घटना की जानकारी ली। रुद्रपुर के भरटोला के रहने वाले लोग क्रेटा में सवार होकर बिहार के मैरवा में एक उपनयन संस्कार में हिस्सा लेने सुबह जा रहे थे, अभी वह बहियारी बघेल के समीप पहुंचे थे कि सामने से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दिया। जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। और कार में सवार गीता देवी, त्रिशुला, बिमला, व बच्ची ऋतु दमन

उर्फ लवली के अलावा कार चालक अरशद की मृत्यु हो गयी। घायलों में शिक्षक कृष्ण कुमार तिवारी व अंजना देवी उर्फ रूबी तथा देवेश मिश्र निवासी परसिया अहीर घायल हो गए। सभी को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भाटपाररानी पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज रेफर कर दिया है। उधर एसडीएम संजीव उपाध्याय, सीओ विनय यादव समेत अन्य अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

फोटो:4 पीएम

धरना लुआक्टा का धरना लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। ग्रीष्मावकाश कम किए जाने व कॉलेजो के शिक्षकों को अर्थशास्त्र विषय में पीएचडी की एक-एक ही सीटें देने समेत की गई कई घोषणाओं की वजह से लुआक्टा ने शनिवार से लखनऊ विवि में धरना देकर विरोध जताया।

मुख्तार अंसारी पर फैसला 5 जून को

अवधेश राय हत्याकांड की हुई वर्चुअल सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। वाराणसी के बहुचर्चित 31 साल पुराने अवधेश राय हत्याकांड का फैसला पांच जून को होगा। विशेष न्यायाधीश (एमपी/एमएलए) अवनीश गौतम की अदालत में विचाराधीन अवधेश राय हत्याकांड में बहस पूरी हो चुकी है। सोमवार को मुख्य आरोपी मुख्तार अंसारी की तरफ से वकील श्रीनाथ त्रिपाठी ने 31 पन्नों में लिखित बहस दाखिल की। अभियोजन और बचाव पक्ष में जिरह एवं बहस हुई।

मुख्तार अंसारी बांदा जेल से वर्चुअल पेश हुआ। इसके बाद अदालत ने फैसले की तारीख पांच जून तय की। इससे पहले बीते शुक्रवार को सुनवाई के दौरान वादी पूर्व मंत्री की तरफ से अधिवक्ता अनुज यादव ने 36 पेज की

विस्तृत बहस दाखिल करते हुए आरोपी पूर्व विधायक मु ?तार अंसारी को दोषी करार दिए जाने की गुजारिश की गई है। 31 साल पुराने इस मामले में अब फैसले की तारीख तय होने के साथ ही अब यह चर्चा होने लगी है कि मुख्तार अंसारी समेत अन्य आरोपियों को क्या सजा मिलेगी। वाराणसी के लहुराबीर क्षेत्र में तीन अगस्त 1991 को दिनदहाड़े अवधेश राय की गोलियों से छलनी कर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड ने पूरे सूबे को हिलाकर रख दिया था। घटना को लेकर मृतक के भाई पूर्व विधायक अजय राय ने मुख्तार अंसारी, पूर्व विधायक अब्दुल कलाम, राकेश न्यायिक समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। बाद में इसकी जांच सीबीसीआईडी को सौंप दी गई थी। लगभग 31 साल पुराने इस मामले में अभियोजन तथा गवाहों के बयान दर्ज हो चुके हैं। सोमवार को बचाव पक्ष की ओर बहस पूरी होने के बाद मुकदमा फैसले के करीब पहुंच गया है। पांच जून को अदालत में फैसला आएगा।

सत्येंद्र जैन की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद आप सरकार के पूर्वमंत्री सत्येंद्र जैन की तबीयत बिगड़ गई है। पूर्व मंत्री की तबीयत बिगड़ने की शिकायत के बाद उन्हें सफदरजंग अस्पताल लाया गया है।

उच्चतम न्यायालय ने धनशोधन के मामले में 18 मई को दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने ईडी को नोटिस जारी किया और जैन को राहत के लिए अवकाशकालीन पीठ के समक्ष जाने की छूट दी। जैन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि पूर्व मंत्री का वजन 35 किलोग्राम कम हो गया है और वह एक तरह से कंकाल बन गए हैं। वह कई बीमारियों से भी पीड़ित हैं।

पीएम मोदी को मिला फिजी का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पापुआ न्यू गिनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान में जी-7 और क्वाड बैठकों में शामिल होने के बाद रविवार को पापुआ न्यू गिनी पहुंचे। यहां उन्होंने फोरम फॉर इंडिया-पैसिफिक आइलैंड्स को-ऑपरेशन (एफआईपीआईसी) के तीसरे शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

बैठक के बाद पीएम मोदी ने प्रशांत क्षेत्र के कई देशों के नेताओं से मुलाकात कर दोस्ती की ओर एक और कदम बढ़ाया है। एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता के तौर पर भारत के इन्हीं कदमों के लिए पपुआ न्यू गिनी और फिजी के

प्रधानमंत्री ने पीएम मोदी को अपने देश का सर्वोच्च सम्मान- कंपैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी प्रदान किया। 4दुनिया में अब तक सिर्फ कुछ ही गैर-फिजीवासियों को यह सम्मान दिया गया है। पापुआ न्यू गिनी ने प्रशांत द्वीप देशों की एकता और ग्लोबल साउथ की अगुआई करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कम्पैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू से सम्मानित किया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।